आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 08.08.2022 से 14.08.2022)

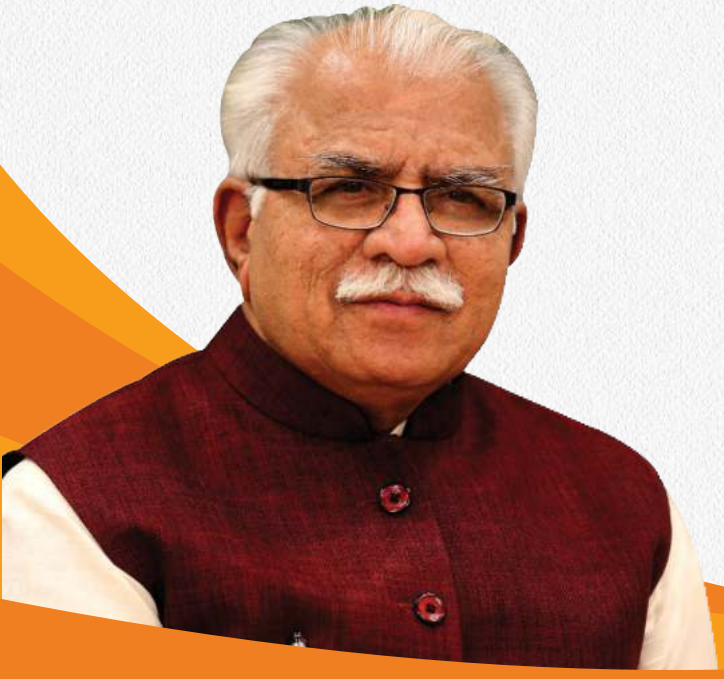

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

साप्ताहिक सूचना पत्र

राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाडियों का शानदार प्रदर्शन

(दिनांक 08.08.22)

विषय: राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाडियों का शानदार प्रदर्शन।

प्रभाव: बर्मिंघम में 22वें राष्ट्रमंडल खेलों में देश के खिलाडियों ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा है। अभी तक देश को कुल 55 मेडल हासिल हुए हैं जिसमें 18 गोल्ड, 15 सिल्वर और 22 ब्रॉज मेडल शामिल हैं। देश की आबादी में लगभग दो प्रतिशत भागीदार हरियाणा ने इन खेलों में अपना दबदबा कायम रखा है। भारतीय दल में इस बार सबसे ज्यादा 43 खिलाड़ी हरियाणा से हैं। इनमें से 17 खिलाडियों ने मेडल जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने सभी खिलाडियों को दमदार प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन करने के लिए बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में अमित पंघाल और नीतू घनघस ने बॉक्सिंग में गोल्ड झटका है तो साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया, दीपक पुनिया, रवि कुमार दहिया, विनेश फोगाट और नवीन

साप्ताहिक सूचना पत्र

कुमार ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीता है। सुधीर ने पैरा पावर लिफ्टिंग में गोल्ड हासिल किया है। अंशु मलिक ने कुश्ती में सिल्वर, पूजा गहलोत, पूजा सिहाग, दीपक नेहरा और मोहित ग्रेवाल ने कुश्ती में ब्रॉज जीता है। सागर अहलावत ने बॉक्सिंग में सिल्वर और जैसमिन लंबोरिया ने बॉक्सिंग में ब्रॉज जीता है। संदीप कुमार ने एथलेटिक्स ब्रॉज मेडल जीता है। महिला हॉकी टीम में भी हरियाणा के खिलाडियों ने अपना जलवा दिखाया है। टीम ने कांस्य पदक जीतकर देशका मान बढ़ाया है। 18 सदस्यीय हॉकी टीम में 8 महिलाएं हरियाणा की हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाडियों के बेहतरीन प्रदर्शन से मुख्यमंत्री जी भी गदगद हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाडियों ने इस बार लठ– गाड़ दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा के धाकड़ खिलाडियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि म्हारे पहलवानों का डंका पूरे विश्व में बजता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति का ही परिणाम है कि राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाडियों ने धड़ाधड़ गोल्ड मेडल जीते। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में शामिल हरियाणा के खिलाडियों ने ना केवल खुद को साबित किया है बल्कि पदक तालिका को भी आगे बढ़ाने का काम किया है। मुख्यमंत्री जी ने सभी खिलाडियों को बधाई देते हुए कहा कि अपनी मेहनत के बलबूते पर इन सभी खिलाडियों ने देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

डिजिटल हरियाणा विधानसभा के पहले सत्र का उद्घाटन

(दिनांक 08.08.22)

विषय: डिजिटल हरियाणा विधानसभा के पहले सत्र का उद्घाटन।

प्रभाव: मुख्यमंत्री जी ने सोमवार को डिजिटल हरियाणा विधानसभा के पहले सत्र के उद्घाटन करते हुए बताया कि ई–विधानसभा प्रदेश के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया के आह्वान पर हरियाणा सरकार हर क्षेत्र में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि 2020 में हरियाणा को डिजिटल क्षेत्र में राष्ट्रपति अवॉर्ड भी मिला है। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार से मिले 150 में से 100 अवॉर्ड डिजिटल क्षेत्र में मिले हैं, यह प्रदेशके लिए गौरव की बात है।

इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने सर्वप्रथम टैबलेट पर नेशनल ई–विधान एप्लीकेशन (नीवा) का विधिवत रूप से उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस एप्लीकेशन के माध्यम से विधानसभा सदस्य प्रश्नोत्तर, ध्यानाकर्शण प्रस्ताव, तारांकित व अतारांकित

साप्ताहिक सूचना पत्र

प्रश्न, विधानसभा की आडियो व वीडियो को भी देख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक इस एप्लीकेशन का प्रयोग न केवल मोबाइल बल्कि कंप्यूटर पर भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने नीवा एप्लीकेशन शुरू करने पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता व विधानसभा के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी।

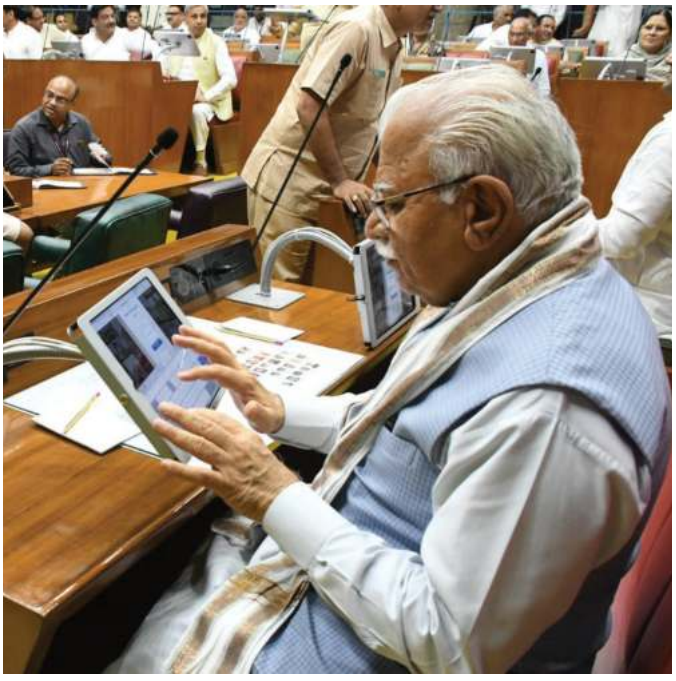

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अभी इस नीवा एप्लीकेशन को विधानसभा के कार्यों से जोड़ा गया है लेकिन भविष्य में इसके अंदर विधायकों के क्षेत्रों से जुड़ी भी जानकारी अपडेट की जाएगी। इससे विधायक जान सकेंगे कि उनके क्षेत्र में कितने विकास कार्य हुए हैं। सरकार द्वारा उनके क्षेत्र में कितना फंड खर्च किया गया है। विधायकों के माध्यम से यह जानकारी आम जनता भी आसानी से ले सकेगी।

साप्ताहिक सूचना पत्र

हरियाणा विधान सभा का मानसून सत्र

(दिनांक 08.08.22)

विषय: हरियाणा विधान सभा का मानसून सत्र।

प्रभाव: आज से हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत हो गई। यह सत्र तीन दिन 8 अगस्त से 10 अगस्त तक चलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने पहले दिन जलभराव की समस्या के संबंध में पूछे गए प्रश्न का जवाब देते हुए बताया कि वर्षा के दिनों में लगभग 3 माह के दौरान प्रदेशके कुछ इलाकों में जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ता है, लेकिन राज्य सरकार ने इसके निवारण के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की हैं। उठान सिंचाई प्रणाली और पंपों के माध्यम से पानी को टेल तक भी पहुंचाया जा रहा है। रेवाड़ी जिले के मसानी बांध में भी पिछले 3 साल से लगभग 8–10 फुट पानी आज भी रहता है, जो पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि हालांकि प्रदेश में जिन जिलों में सिंचाई क्षेत्र कम है, उस क्षेत्र में दिये जाने वाले पानी को अन्य क्षेत्रों में विभाजित किये जाने पर विचार किया जा रहा है। इससे पानी का उचित उपयोग सुनिष्चित किया जा सकेगा।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री जी ने

साप्ताहिक सूचना पत्र

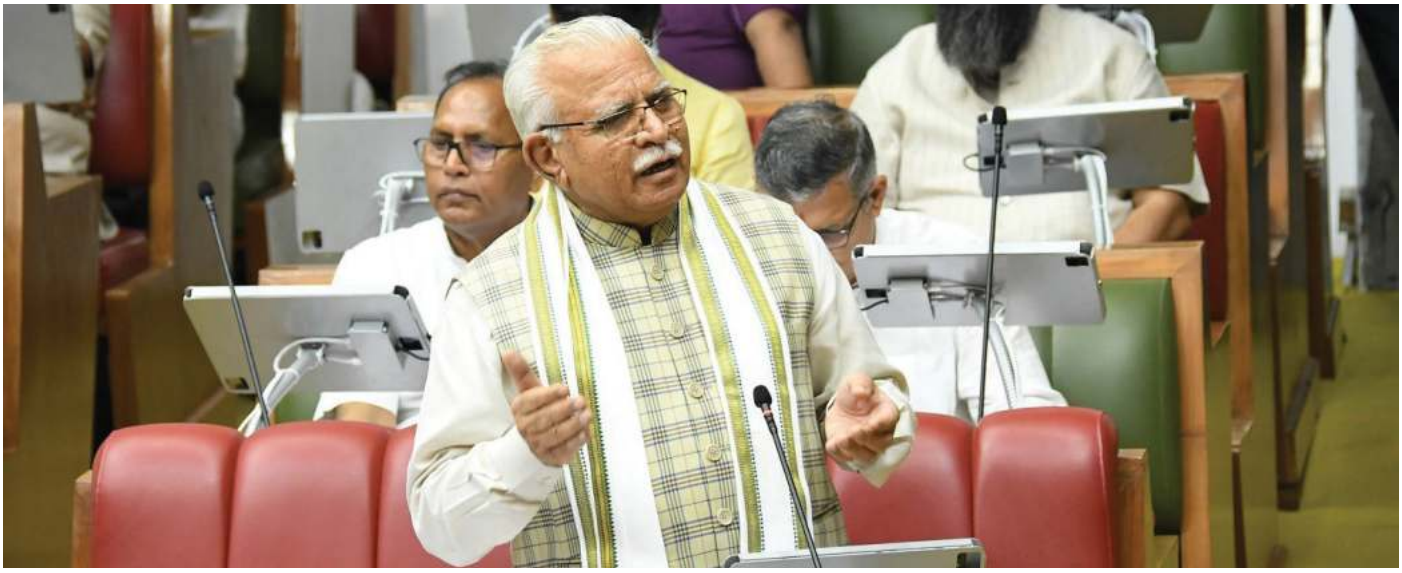

कहा कि वर्ष 2014–15 में यह घोषणा की गई थी कि 5 वर्ष के कार्यकाल के दौरान विधायकों को उनके विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य करवाने के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी। हालांकि, कुछ विधायक सदन में यह कहते हैं कि उन्हें वार्षिक 5 करोड़ रुपये की राशि नहीं दी गई हैं। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि 5 करोड़ रुपये की राशि 5 साल के कार्यकाल में एक बार एक विधायक को दी जाएगी, हर वर्ष नहीं।

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विभिन्न विधायकों द्वारा नूह के तावडू में अवैध खनन रोकने पर डीएसपी की खनन माफिया द्वारा डंपर से कुचल कर हत्या से संबंधित ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बोलते हुए बताया कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2015–16 से 2021–22 तक 7 सालों में खनन से 4660 करोड़ रुपये राजस्व आया है। जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2005 से 2014 तक केवल 1268 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था यानी 130 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का राजस्व ही प्राप्त हुआ था। जबकि हमारे कार्यकाल में लगभग 600 करोड़ रुपये प्रति वर्श का राजस्व प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अवैध खनन पर रोक लगी है, जो सरकार को प्राप्त राजस्व से स्पष्ट होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा में जब भी किसी विषय पर चर्चा होती है तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुसार स्थिति की

साप्ताहिक सूचना पत्र

वास्तविक्ता के लिए वर्तमान और पिछली सरकारों के कार्यकाल की तुलना की जाती है। यह तुलना इसलिए आवष्यक होती है क्योंकि इससे ही पता चलता है कि पिछली सरकार के कार्यकाल में स्थिति खराब थी या आज खराब है।

मुख्यमंत्री जी ने विपक्ष के नेता श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर शायराना अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि

लहजे में कसक और चेहरे पर नकाब लिये फिरते हैं, जिनके खुद के खाते खराब हैं, वो मेरा हिसाब लिये फिरते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने दूसरे दिन शून्यकाल के दौरान जानकारी दी कि हरियाणा में ग्रुप–सी और ग्रु–डी के लगभग 28000 पदों की भर्ती के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) 5, 6 और 7 नवंबर, 2022 को आयोजित की जाएगी। सीईटी परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से करवाई जाएगी।

हरियाणा विधान सभा सत्र के तीसरे दिन चार विधेयक भी पारित किए गए।

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मुख्यमंत्री जी ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राज्य सरकार शामलात देह की जमीन का पंचायतों के नाम इंतकाल कर रही है। इसमें चिंता का कोई विषय नहीं है। सरकार महज इंतकाल बदल रही है, सरकार का मुख्य मकसद अवैध हस्तांतरण को रोकना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पंचायत की कुछ शामलात देह भूमि के इंतकाल निजी लोगों के नाम हो रखे हैं। सरकार ने यदि इस पर ध्यान नहीं दिया तो वे जमीन को इसी प्रकार बेचते रहेंगे। अगर सरकार इसे नियंत्रित नहीं करेगी तो एक समय के बाद यह विषय सरकार के नियंत्रण से भी बाहर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि नदी किनारे की जमीन की मलकीयत नदी के बहाव के कारण बदलती रहती है। इस जमीन को सही मालिक या हकदार को दिलाना हमारा

कर्तव्य है। इसके लिए सरकार जल्द एक नया अधिनियम बनायेगी ताकि लोगों को उनकी जमीन का मालिकाना हक मिले। इसके अलावा भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने सरकार की भविष्य की योजनाओं से भी सदन को अवगत करवाया जिसमें '500 मॉडल संस्कृति स्कूल खोलना,'लूला अहीर में भगत फूल सिंह यूनिवर्सिटी का रीजनल सेंटर बना रहना,'बाढ़ व पानी भरने से मकान गिरने पर मिलेगा मुआवजा, योजना लाना । 10 लाख एकड़ भूमि का सुधार करने का लक्ष्य,'अग्निवीरों को हरियाणा सरकार में गारंटिड नौकरी देना शामिल है ।

एन्हांसमेंट के निपटान के लिए एकमुश्त भुगतान योजना की घोषणा

(दिनांक 10.08.22)

विषय: एन्हांसमेंट के निपटान के लिए एकमुश्त भुगतान योजना की घोषणा।

प्रभाव: मुख्यमंत्री जी के दिशा–निर्देशानुसार, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने वर्ष 2022 के लिए अंतिम एकमुष्त भुगतान योजना की फिर से घोषणा की हैं । अब यह योजना 17 अगस्त, 2022 से आरम्भ होकर 30 सितंबर 2022 तक जारी रहेगी ताकि पात्र आवंटी एचएसवीपी के साथ अपनी बकाया राशि और एन्हांसमेंट का निपटान कर सके।

एचएसवीपी के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री की पहल पर एकमुश्त भुगतान योजना की शुरूआत वर्ष 2018 में की गई थी जिसका उद्देष्य वसूली प्रक्रिया को आसान बनाकर और लंबित विवादों को सुलझाकर आवंटियों के हितों की रक्षा करना था । इस योजना में आवंटियों की सुविधा के लिए एचएसवीपी की वेबसाइट (www-hsvphry-org-in) पर ऑनलाइन प्रक्रियाओं के माध्यम से विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा की यह एक वैकल्पिक योजना है। यदि आवंटी इस योजना का लाभ प्राप्त करना चाहता है तो उसे बिना

शर्त शपथ पत्र देना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से या किसी संघ या समाज के माध्यम से किसी भी न्यायालय में लंबित मुकदमे को वापस ले लेगा और वह भविष्य में राशि में बढ़ोतरी पर विवाद नहीं करेगा। उन्होंने कहा की इस योजना का लाभ उन आवंटियों को उपलब्ध नहीं होगा, जिन्होंने पहले ही एकमुश्त निपटान योजना (ओटीएसएस) या पूर्ण और अंतिम निपटान योजना (एफएफएसएस) या अंतिम और अंतिम निपटान योजना (एलएफएसएस) का लाभ ले रखा है, और इन योजनाओं की शुरूआत में ही उन्होंने ब्याज के साथ अतिरिक्त मूल्य/ उस पर विलंबित ब्याज शीर्ष के तहत अपनी बकाया राशिका निपटान किया था। योजना का लाभ उन आवंटियों को भी नहीं मिलेगा जिन्होंने अपनी मर्जी से अतिरिक्त मूल्य के साथ ब्याज/विलंबित ब्याज मद के तहत पहले ही देय राशिका भुगतान कर दिया था। उन्होंने कहा की, किसी भी संदेह/प्रश्न के मामले में, पात्र आवंटियों को अपना प्रतिवेदन एचएसवीपी के अपने संबंधित संपदा कार्यालयों को भेजना होगा। ऐसे आवंटी अंतिम निपटान योजना पोर्टल पर भी अपना अनुरोध दर्ज कर सकते हैं। एचएसवीपी के एक महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश के द्वारा योजना के तहत लाभ केवल उन लोगों को दिया जाएगा जो योजना बंद होने से पहले एचएसवीपी खाते में अपना पूरा बकाया चुका देंगे।

विभाजन विभीशिका स्मृति दिवस के अवसर पर कुरूक्षेत्र में राज्य स्तरीय समारोह

(दिनांक 14.08.22)

विषय: विभाजन विभीशिका स्मृति दिवस के अवसर पर कुरूक्षेत्र में राज्य स्तरीय समारोह।

प्रभाव: विभाजन विभीशिका स्मृति दिवस के अवसर पर कुरूक्षेत्र में राज्य स्तरीय समारोह प्रभावरू मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश के विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले शहीदों की याद में कुरुक्षेत्र जिले के

साप्ताहिक सूचना पत्र

पिपली के नजदीक इनकी याद में शहीदी स्मारक बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने पंचनद स्मारक ट्रस्ट को शहीदी स्मारक ट्रस्ट बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह ट्रस्ट अर्ध सरकारी हो। उन्होंने कहा कि ऐसा स्मारक बनाया जाएगा जो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएगा। समाज का हर व्यक्ति अपने सामर्थ्य अनुसार इसमें योगदान देगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे भी इस ट्रस्ट के सदस्य होने के नाते इसमें भरपूर सहयोग देंगे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री जी ने मुख्य मंच से नीचे आकर विभाजन विभीशिका को झेलने वाले बुजुर्गों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया।

इसके बाद मंच से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 15 अगस्त को आजादी के 75 वर्ष पूरे हो जाएंगे, यह खुशी का दिन है लेकिन 14 अगस्त खुशी का दिन नहीं हो सकता क्योंकि इस दिन देशके बंटवारे की लकीर हमारे अरमानों पर खींची गई थी। यह भूमि का बंटवारा नहीं बल्कि हमारी भावनाओं का बंटवारा था। आज देशइस दिन को विभाजन विभीशिका दिवस के रूप में मना रहा है। इस बंटवारे में पंजाब, बंगाल और सिंध प्रांत अलग हो गए। इससे पहले देशों के बंटवारे तो बहुत हुए लेकिन यह पहला बंटवारा था जिसमें लाखों लोगों का विस्थापन

साप्ताहिक सूचना पत्र

हुआ और लोग शहीद हुए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोगों को आजादी से पहले विभाजन का दंश झेलना पड़ा। अपना–अपना क्षेत्र छोडक़र हजारों किलोमीटर दूर बसना पड़ा। मुख्यमंत्री ने एक शेर सुनाकर इस त्रासदी को बताया कि 'वहां से चले तो पता नही था, बेबसी सी जिंदगी ने देखा था हमें, हम सफर पर थे पर मंजिल कहां है पता न था'। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय कुछ लोग 15 अगस्त को तो कुछ 16 व कुछ 17 अगस्त को चले थे। कुछ पैदल, कुछ ट्रेन व कुछ बैलगाडियों में यहां तक आए। मजहबी उन्माद, हिंसा, नफरत की वजह से विभाजन में लाखों लोग शहीद हो गए। कुछ लोगों ने अपनी इज्जत बचाने के लिए बहू–बेटियों को तलवार से काट डाला। विभाजन के समय इज्जत बचाने के लिए बहू–बेटियों ने कुएं में छलांग लगा दी थी। इन घटनाओं को कुछ पुराने लोग आज भी याद करते हैं तो उनके रौंगटे खड़े हो जाते हैं। दादी–नानी सुनाती थी विभाजन की कहानियां

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 1975 से पहले देश को आजाद हुए जब 25 वर्ष हुए थे तब दादी व नानी विभाजन के समय की कहानियां सुनाया करती थी। मुख्यमंत्री ने अपना खुद का अनुभव सांझा करते हुए बताया कि वे जब कॉलेज में पढ़ते थे तो उन्हें भी उनकी दादी कहानी सुनाती थी। जब उनके ताया और पिता विभाजन में पीछे रह गए थे और पूरा परिवार भारत पहुंच गया था। इन्हीं कहानियों से उनके जीवन में बदलाव आया और देश व समाज के लिए संकल्प लेने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद एक संस्था से जुड़े और राष्ट्र प्रेम को अपनाते हुए देश और प्रदेश को ही अपना परिवार माना।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विस्थापन के समय जब लोग यहां आए तो उनके

समक्ष खाने तक के लाले पड़े हुए थे लेकिन उन्होंने किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया। लोग मेहनत, परिश्रम और कौशल के दम पर अपने पैरों पर खड़े हुए और पुरुषार्थ कर देश की तरक्की में मील के पत्थर बने। इसलिए यह समाज शरणार्थी नहीं बल्कि पुरुषार्थी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपने पूर्वजों के ऋणी हैं जिन्होंने आरक्षण की मांग नहीं माना बल्कि काम को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 70 सालों में बहुत से प्रधानमंत्री आए लेकिन किसी ने भी विभाजन विभीशिका के शहीदों को याद नहीं किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गत वर्ष लाल किले से 14 अगस्त को विभाजन विभीशिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा की। 20वीं सदी की यह सबसे बड़ी त्रासदी है।

केयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्मारिका का विमोचर्न

(दिनांक 14.08.22)

विषय: केयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्मारिका का विमोचन।

प्रभाव: मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। भारत आज विश्व में तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरकर आया है। शिक्षा मानव निर्माण का आधार होता है। शिक्षा के साथ केवल भौतिक निर्माण से ही काम नहीं चलता बल्कि मानव शक्ति के रूप में अच्छे नागरिकों का निर्माण

साप्ताहिक सूचना पत्र

कर राष्ट्र आगे जाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कुवि द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

मीडिया को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विद्व तजनों, चिंतकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों सहित 2 लाख बुद्धिजीवियों से परामर्श कर लागू करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को वर्ष 2025 तक हरियाणा के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में लागू करने का निर्णय लिया गया है। हमारा लक्ष्य है कि शिक्षा की पहुंच हर व्यक्ति तक हो व सभी को रोजगार मिले।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हमें हमेशा कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के लिए बहुत संभावनाएं हैं। छात्रों का समग्र विकास व चरित्र निर्माण होना शिक्षा का पहला व अन्तिम लक्ष्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देष्य सभी छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करना, छात्रों को कला, मानविकी, विज्ञान, खेल और व्यावसायिक विषयों में अध्ययन करने के लिए लचीलेपन और विषयों की पसंद को बढ़ाना है। इसी दिशा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है।

उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा को बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने आईआईएचएस संस्थान के नए भवन का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने क्रशहॉल में आजादी के अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया व इसकी सराहना की तथा क्रशहॉल के बाहर पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री जी ने गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाशोत्सव पर संगीत एवं नृत्य विभाग द्वारा बनाए गए संदेशगीत का लोकार्पण किया। उन्होंने कुवि महिला अध्ययन केन्द्र व कुवि एलुमनाई एसोसिएशन की ओर से निःशुल्क सिलाई एवं कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ करके जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीने वितरित की।

मुख्यमंत्री जी ने समालखा में किया ध्वजारोहण, देश और प्रदेशवासियों को दी बधाई

(दिनांक 15.08.22)

विषय: मुख्यमंत्री जी ने समालखा में किया ध्वजारोहण, देशऔर प्रदेशवासियों को दी बधाई।

प्रभाव: मुख्यमंत्री जी ने 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वीरभूमि समालखा (पानीपत) में ध्वजारोहण करने के बाद देश और प्रदेशवासियों को 76वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हर भारतवासी के लिए हर्षोल्लास का दिन

साप्ताहिक सूचना पत्र

है। हर घर पर लहरा रहा तिरंगा पूरे देश को देशभक्ति के रंग में रंग रहा है। हरियाण ाावासियों ने भी अपने 60 लाख घरों पर राष्ट्र ध्वज फहराकर भारत माता की शान को वैसे ही बढ़ाया है, जैसे सरहदों पर अधिक से अधिक जवानों को भेजकर देशभक्ति का परिचय देते आए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का यह पावन पर्व अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ–साथ आत्मदृविष्लेशण करने का भी दिन है। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर प्रदान करता है कि 75 वर्ष के इस कालखंड में हमने क्या हासिल किया है। निःसंदेह आजादी के बाद राष्ट्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है। आज कई क्षेत्रों में पूरा विश्व हमारा लोहा मानता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जो आज 'पांच प्रणश् (विकसित भारत, गुलामी की मानसिकता से शत प्रतिशत मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता व एक जुटता और नागरिक कर्तव्यों का पालन) लिए हैं, हम उन्हें आज से ही आत्मसात करेंगे। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से भी आह्वान किया कि सभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिपादित अमृत काल के पांच प्रण के आह्वान को पूरा करने का संकल्प लें व भारत को विश्व पटल पर सबसे मज़बूत राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी महान सांस्कृतिक परम्पराओं और उच्च नैतिक मूल्यों

साप्ताहिक सूचना पत्र

पर चलते हुए देश और प्रदेश को स्वच्छ, स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए एकजुट होकर काम करना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें गर्व है कि 10 मई 1857 को स्वतंत्रता आन्दोलन की पहली चिंगारी अम्बाला से फूटी थी। हमारे वीर जवानों ने आजादी के बाद भी देश की सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज देश की सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से है। हमारे जवानों ने 1962, 1965 व 1971 के विदेशी आक्रमणों और ऑपरेशन कारगिल युद्ध के दौरान वीरता की नई मिसाल पेशकी है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम आजादी की पहली लड़ाई के शहीदों की स्मृतियों को सहेजने के लिए अम्बाला छावनी में शहीदी स्मारक का निर्माण कर रहे हैं। स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम की स्मृति में जिला महेंद्रगढ़ के गांव नसीबपुर में जल्द ही शहीद स्मारक का निर्माण किया जाएगा। जिला भिवानी के शहीद गांव रोहनात में भी शहीद स्मारक बनाया जाएगा। इस गांव में रोहनात फ्रीडम ट्रस्ट की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेशके विकास का मार्ग गांवों की गलियों से होकर गुजरता है। इसलिए गांवों का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल से जल पहुंचाने वाला हरियाणा देशका पहला बड़ा राज्य है। प्रदेशके लगभग 80 फीसदी गांवों को 24 घंटे बिजली दी जा रही है। आज भी इस योजना में नए गांव जोड़े गए हैं। अब 5600 से अधिक गांवों में 24 घंटे बिजली मिल रही है। आजादी के 75 सालों के बाद गांवों को लाल डोरा मुक्त करने से पहली बार ग्रामीणों को उनके घरों का मालिकाना हक मिला है। हमने पिछले पौने आठ वर्षों में जातिवाद, क्षेत्रवाद और भाई–भतीजावाद से ऊपर उठकर काम किया है। हमने प्रदेश में नई व्यवस्था स्थापित करके प्रदेशवासियों में नई उम्मीद जगाने का काम किया है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

स्वतंत्रता दिवस पर हरियाणा राजभवन में आयोजित हुआ "एट होम"

(दिनांक 15.08.22)

विषय: स्वतंत्रता दिवस पर हरियाणा राजभवन में आयोजित हुआ "एट होम"।

प्रभाव: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को हरियाणा राजभवन में "एट होम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री जी ने शहीदों के परिजनों, पदमश्री अवार्डी, राष्ट्रमण्डल व विश्व स्तरीय खेलों में पदक विजेताओं को सम्मानित किया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं । इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री बनवारी लाल पुरोहित की भी गरीमामयी उपस्थित रही।

साप्ताहिक सूचना पत्र

''एट होम'' कार्यक्रम में राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने शहीद मेजर अनुज राजपूत के पिता श्री के. एस. आर्य व माता श्रीमती एस आर्य तथा मेजर शहीद नवनीत वत्स की पत्नी श्रीमती शिवानी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इनके अलावा, पद्मश्री अवार्डी श्री सुलतान सिंह तथा राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेता मुक्केबाज श्री अमित पंघाल के भाई श्री अजय कुमार, राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेता सुश्री नीतू मुक्केबाज, सुश्री शेफाली वर्मा क्रिकेटर, सुश्री जैस्मिन कांस्य पदक विजेता, विश्व कुष्ती में स्वर्ण पदक विजेता सुश्री रीतिका व सुश्री तन्नू को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार, अंतरराष्ट्रीय पुलिस गेम्स में रजत पदक विजेता सुश्री नीतिका तथा जिम्नास्ट श्री योगेश्वर, प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार विजेता श्री आकर्ष कौशल, ग्राम पंचायत भरेली की पूर्व सरपंच श्रीमती आरती देवी, प्रोफेसर श्री राकेश शर्मा, आशमन फाउंडेशन से हरित योद्धा श्री मुनीश पुंधीर तथा कोविड योद्धा श्रीमती कमलजीत कौर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।